नौजवान नशे की गिर3त में : कुंवर विजय प्रताप

Email
Print

1/20/2010 6:00:00 AM

अमृतसर, १९ जनवरी (4यूरो): गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भलाई विभाग व क्रोनिक केयर फाऊंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित नशा मु1त पंजाब विशेष पर नाटक के दौरान अमृतसर के रह चुके एस.एस.पी. कुंवर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि नशे ने पंजाब के नौजवानों को पूरी तरह से अपनी गिर3त में ले लिया है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी के कारण समाज में अपराध, लड़ाई-झगड़े और भयानक बीमारियां फैल रही हैं। अगर इस हालात पर जल्द काबू न पाया गया तो समाज का ही नहीं बल्कि पूरे देश का नु1सान होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन इससे निपटने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए पुलिस सलाहकार कमेटी का गठन किया गया है जिसमें बुद्धिजीवियों के अलावा एक शिक्षा शास्त्री और विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को शामिल किया जाएगा। रजिस्ट्रार डा. इन्द्रजीत सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सभी का स्वागत किया। सोशोलॉजी विभाग के प्रो. डा. आर.एस. संधू ने कहा कि भारत में ६२.५ मिलियन लोग शराब का सेवन करते हैं जबकि अन्य नशे के अन्य तरीकों का प्रयोग करते हैं। केवल पंजाब में ही ६१ से ६८.६ प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं और यह सेवन दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि रिसर्च में पाया गया है कि १६ से ३५ वर्ष आयु के नौजवानों में ७३.५ नौजवान नशा करते हैं जिसमें से ग्रामीण और शहरी ५६ प्रतिशत नशेड़ी होते हैं। उन्होंने बताया कि ४०.६६ प्रतिशत अधिकतर पढ़े-लिखे, २२.३३ प्रतिशत कम पढ़े-लिखे नौजवान ग्रामीण क्षेत्र से संबंध रखते हैं। इसी प्रकार ४४.६७ प्रतिशत अधिक पढ़े-लिखे नौजवान शहरी क्षेत्र में से हैं, जबकि ५९.३३ प्रतिशत नौजवान छोटे परिवार के साथ संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि मालवे के नौजवान भु1की का अधिक सेवन करते हैं, जबकि माझे और दोआबे वाले शराब का अधिक सेवन करते हैं। उन्होंने बताया कि सिंथैटिक नशों का सेवन अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र के अलावा जालंधर के आस-पास के क्षेत्रों में अधिक प्रचलित है। नशाखोरी के अधिकतर कारण बेरोजगारी, आसानी से नशों का उपल4ध होना और भ्रष्ट समाज है। सरकार द्वारा इस पर काबू पाने के लिए उपयु1त प्रयास तसल्लीब2श नहीं किए जा रहे हैं। इससे पहले डीन विद्यार्थी भलाई डा. एम.पी.एस. ईशर ने मु2यातिथि व अन्यों का स्वागत किया जबकि डायरै1टर युवक भलाई डा. दलजीत कौर ने धन्यवाद किया। इसके पश्चात क्रोनिक केयर फाऊंडेशन नई दिल्ली द्वारा नु1कड़ नाटक खेला गया।